Raghunath Girls' Post Graduate College

MEERUT (UTTAR PRADESH) INDIA

छात्रावास विवरणिका

HOSTEL PROSPECTUS

2025-26

AISHE : C-28817
NIRF : IR-C-28817
RGPGIC : IC 202216531

Re-accredited by NAAC (4th cycle) with 'B+' Grade (CGPA 2.53) (2022)
"COLLEGE OF EXCELLENCE" STATUS BY UGC (2014)

"Of the Students, By the Students, For the students"

रघुनाथ गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट, कॉलिज

Website : https//www.rgcollege.ac.in
Youtube : www.youtube.com/@RGPGCOLLEGE
Facebook ID : Raghunandini Rgpg Meerut

दानाय अर्ज्यते

(विद्यालय का आदर्श वाक्य)

विद्यालय गान

रहे अमर विद्यालय अपना ।
नव विद्या की ज्योति जले नित,
छात्राओं की सरिता बहे नित,
पावन रहे सदा जल इसका,
पूरा हो मन का यह सपना,
रहे अमर विद्यालय अपना ।

एक ध्येय दानाय अर्ज्यते,
हो प्रतीक पुष्पांजलि जयते,
वीणवादिनी! वरद हस्त दे,
दे नित-नित नव भाव कल्पना,
रहे अमर विद्यालय अपना ।

कला, विज्ञान, वाणिज्य आदि का,
सौरभ बिखरायें दर्शन का,
बनें सुगृहणी तथा सुमाता,
सफल करें यों जीवन अपना,
रहे अमर विद्यालय अपना ।

जीवन के सुन्दर समतल में,
कर्म, धर्म की गति में, लय में,
शौर्य, शील, शक्ति प्रतिमा बन,
छू लें दूर क्षितिज नव अपना,
रहे अमर विद्यालय अपना ।

CONTACT :
Office : 8979265125, 9368400314
E-mail : rgpghostelgrievance974@gmail.com

RAGHUNATH GIRLS' POST GRADUATE COLLEGE

MEERUT (UTTAR PRADESH), INDIA

Affiliated to Chaudhary Charan Singh University, Meerut)

Re-Accredited by NAAC (4th cycle) with "B+" Grade (CGPA 2.53) (2022)

Lamp you lit will provide light to the coming generations

Late Shri Raghunath Ji
Founder Chairman

Late Smt. Kripa Devi
Founder Chairman

Mr. Puneet Nath
Secretary

Prof. Nivedita Kumari
Principal

Message from the Secretary

Dear Students,

Raghunath Girls' P.G. College Girls Hostel provides an opportunity to develop a sense of responsibility, mutual respect and harmony among the students. Away from home, residents experience togetherness, community living and meaningful relationships that significantly contribute to personal growth and character building. The Hostel environment encourages good health, hygiene, academic progress, participation in community activities and the development of leadership and self-growth qualities.

Personally, I believe hostel life is a unique phase that not only shapes the mind, body and character of students but also acts as a social catalyst- nurturing their physical, emotional and mental well-being with learning process.

I extend a warm welcome to you all and sincerely hope that you continue to uphold tha values of hostel life, which lays the foundation for a promising future.

With Best Wishes.

Mr. Puneet Nath

Secretary

Management Committee

Raghunath Girls' P.G. College

Message from the Principal

Dear Students,

Welcome to our Girls' Hostel- a place where discipline meets dedication & every students is encouraged to strive for excellence in all aspects of life.

At our Institution, we believe that a structured and supportive environment forms the foundation for academic success & personal growth. Our hostel is more than just a place to stay; it is a nurturing space where young women are empowered to focus on their studies, build lasting friendships and develop into responsible, confident individuals.

We maintain high standards of discipline, cleanliness and safety ensuring that our students live in an atmosphere conducive to focused learning and self-development. Alongside academic rigor, we also emphasize values such as respect, co-operation and resilience-qualities that will guide our students both inside and beyond the classroom.

I encourage each of you to make the most of your time here. Let this be a chapter in your life filled with purpose, growth and achievement.

Wishing you success in all your endeavours.

Prof. Nivedita Kumari

Principal

कार्य-कारिणी समिति छात्रावास

1.	श्री पुनीत नाथ	सचिव
2.	श्री पवन भार्गव	सदस्य
3.	श्री हरिओम गुप्ता	सदस्य
4.	डॉ० श्रीमती मधु मित्तल	सदस्या
5.	श्रीमती अंजुला माधव	सदस्या
6.	प्रो० निवेदिता कुमारी	प्राचार्या

छात्रावास संचालन समिति

1.	संरक्षिका	प्रो० निवेदिता कुमारी
2.	मुख्य अधीक्षिका	प्रो० नीलम सिंह
3.	अधीक्षिका	श्रीमती चित्रांशी शर्मा, डॉ० मधु मलिक
4.	सह अधीक्षिका	कु० मेघा
5.	लिपिक	कु० साक्षी गुप्ता

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

1.	सेविका – रात-दिन	श्रीमती उर्मिला, उर्मिला तोमर
2.	चपरासी– आठ घण्टे	जितेन्द्र
3.	सेविका – आठ घण्टे	शोभा विश्नोई
4.	माली – आठ घण्टे	श्री रामलोट
5.	सफाई कर्मचारी	श्रीमती रामो
6.	सफाई कर्मचारी	श्रीमती ऊषा पार्चा

विद्यालय दूरभाष - 8979265125, 9368400314
सम्पर्क समय – प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

" छात्रावास संचालन का उद्देश्य है कि छात्राएँ उत्तम शैक्षणिक वातावरण में सामुदायिक जीवन के अवसरों से लाभ उठाकर अपने व्यक्तित्व एवं चरित्र का बहुमुखी विकास कर सकें।"

–प्राचार्या

"Education is a path to Achieve Excellency "

"Truth is like a bitter medicine which may initially bring some discomfort, but in the end good for evryone. whatever people presently say about me, future generations will definitely consider and learn from my teachings."

– Maharshi Dayanand Saraswati

PRIDE OF RGPG COLLEGE

ALUMNAE WHO BECAME CHANCELLORS & VICE -CHANCELLORS

Prof. Sudha Malaiya, (Chancellor, Eklavya University, Damoh)

Prof. Y. Vimala (V.C., Maa Shakumbhari University, Saharanpur, Formerly Pro.V.C., C.C.S. University, Meerut)

Prof. Neerja A. Gupta (V.C ., Gujarat University, Ahmedabad, Formerly V.C., Sanchi University of Buddhist-Indic Studies, MP)

Prof. Shashiprabha Kumar (Former V.C., Sanchi University of Buddhist -Indic studies, Sanchi, M.P)

रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज पोस्ट ग्रेजुएट, छात्रावास

शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 1929 में स्थापित, रघुनाथ गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज का शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के क्षेत्र में एक समृद्ध इतिहास रहा है। सन् 1948 में स्थापित रघुनाथ गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में छात्राओं के बहुमुखी विकास हेतु आवश्यक, केन्द्रीय पुस्तकालय की आधारशिला 23 दिसम्बर 1951 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय पं० गोविन्द वल्लभ पन्त के द्वारा रखी गयी। तत्पश्चात् दूर के क्षेत्रों की छात्राओं को शिक्षा सुलभ कराने हेतु छात्रावास की नींव तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद जी द्वारा 3 जनवरी 1961 को रखी गयी।

महाविद्यालय मेरठ ही नहीं उ०प्र० में भी एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में खड़ा है, जिसमें मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य और शिक्षा सहित विभिन्न विषयों में लगभग 5000 महिला छात्राएँ शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। समय की आवश्यकता और अभिनव बने रहने की अपनी प्रतिबद्धता में, कॉलेज ने शैक्षणिक वर्ष 2015-16 में योग विज्ञान, एप्लाइड क्लिनिकल साइकोलॉजी जैसे व्यावसायिक विषयों में स्नातक की डिग्री पाठ्यक्रम शुरू किए। वर्तमान में परिसर में मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य व शिक्षा के कुल 24 पाठ्यक्रम संचालित हैं।

छात्रावास में देश/प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की छात्राएँ अध्ययनरत् हैं। छात्रावास की छात्राएँ प्रतिवर्ष विभिन्न उच्च पदों पर चयनित होकर देश को अपनी सेवा प्रदान कर रही हैं। एक अनुकरणीय उदाहरण डॉ० अनीता सिंह का है जिन्होंने 2005 में राज्यपाल, उ०प्र० के सचिव पद पर भी अपनी सेवाएँ दी।

छात्रावास में छात्राओं के लिए आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिसमें कम्प्यूटर लैब, पौष्टिक भोजन को उपलब्ध कराने वाला स्वच्छ मैस, शारीरिक व्यायाम हेतु जिम, सेमी ऑटोमेटिक वाशिंग मशीनें, छात्राओं के अभिभावकों के लिए अतिथि-कक्ष सम्मिलित है।

प्रवेश प्रक्रिया

1. छात्रावास में प्रवेश का कार्य विद्यालय में प्रवेश होने के साथ ही प्रारम्भ हो जाता है।
2. प्रवेश के समय छात्रा अपने साथ सभी मूल प्रमाण-पत्र व फोटो स्टेट कॉपी, अपनी फोटो, आधार कार्ड की कॉपी और कॉलिज में प्रवेश की रसीद की फोटो कॉपी व फिटनेस सर्टिफिकेट अवश्य लेकर आयें।
3. कॉलिज में प्रवेश होने के पश्चात ही छात्रावास में प्रवेश मिल सकता है।
4. कॉलिज प्रवेश के उपरांत तुरन्त प्रवेश रसीद लेकर छात्राएँ छात्रावास अधीक्षक से प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक के मध्य छात्रावास कार्यालय में सम्पर्क करें। प्रवेश के समय छात्राओं के उन पुरूष अभिभावकों की पासपोर्ट साईज की फोटो लाए जिन्हें छात्रावास में आकर छात्राओं से मिलने की अनुमति है।
5. प्रवेश-पत्र छात्रावास विवरणिका के साथ विद्यालय के कार्यालय से मिलते हैं जिनको पूरी तरह भरकर जमा करना होगा।
6. प्रवेश-पत्र के साथ छात्रा स्वास्थ्य सम्बन्धी प्रमाण-पत्र व यदि वह किसी छात्रावास में रह चुकी हो तो वहाँ की संरक्षिका का चरित्र-प्रमाण पत्र संलग्न करें-

   (क) स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र किसी रजिस्टर्ड डॉक्टर का होना चाहिए और स्पष्ट लिखा होना चाहिए कि उसे कोई संक्रामक बीमारी नहीं है। स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र में ब्लड ग्रुप व हिमोग्लोबिन भी अंकित करायें।

(ख) यदि बाद में छात्रावास की चिकित्सा जाँच के अन्तर्गत यह पता चले कि छात्रा किसी गंभीर या संक्रामक रोग से पीड़ित है अथवा किसी मानसिक बीमारी के कारण अध्ययन का भार सहन नहीं कर सकेगी तो उसे छात्रावास छोड़ना पड़ेगा।

7. प्रवेश–पत्र के साथ गत परीक्षा का अंक पत्र लगाना अनिवार्य है।

8. छात्रावास में स्थान सीमित हैं, अतः स्थान पूरे हो जाने के पश्चात प्रवेश बंद कर दिया जाता है। प्रवेश, महाविद्यालय द्वारा डॉक्टरी जाँच और व्यक्तिगत साक्षात्कार तक अस्थाई रहता है।

9. निम्नलिखित अवस्थाओं में प्रवेश सम्भव नहीं हो पायेगा यथा–

   (क) अनुत्तीर्ण होने पर

   (ख) विवाहित होने पर

   (ग) जिसके विरूद्ध कोई अनुशासनिक कार्यवाही की जा चुकी है।

   (घ) जो पूर्णत्या स्वस्थ नहीं है अथवा किसी संक्रामक रोग अथवा मानसिक बीमारी से पीड़ित है।

10. छात्रावास की पूर्व निवासी छात्रा का B.A. Final, B.Sc. Final तथा B.Com. Final पास करके M.A., M.Sc., M.Com. में प्रवेश नये प्रवेश की भाँति ही किया जाएगा तथा विवरण पत्रिका में उल्लेखनीय सभी नियम लागू होंगे। प्रवेश शुल्क तथा सुरक्षित धनराशि भी देय होगी।

छात्रावास के नियम

1. **छात्रावास में प्रवेश लेने के पश्चात ही महाविद्यालय में संचालित नियमित कक्षाओं में छात्रा की उपस्थिति होना अनिवार्य है। छात्रा का छात्रावास में प्रथम दिन से उपस्थिति अनिवार्य है अन्यथा उसका प्रवेश रद्द् कर दिया जायेगा।**

2. **छात्राओं को केवल रूग्णावस्था या विशेष परिस्थिति में कक्षा में न जाने का प्रार्थना–पत्र उसी दिन अधीक्षिका को देना होगा। सूचित किए बिना सूचना के कक्षाओं से अनुपस्थित रहना अनुशासन भंग करना माना जायेगा। छात्रा को प्रति माह अपनी उपस्थिति सम्बन्धित शिक्षिका से हस्ताक्षर कराकर छात्रावास–अधीक्षिका को प्रस्तुत करनी होगी ।**

3. **छात्राएँ इस बात का ध्यान रखें कि किसी भी विषय में उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए।**

4. छात्राएँ छुट्टियों के पश्चात् घर से लौटने पर अधीक्षिका को सूचित करें व देर से आने पर अभिभावक का अनुमति **पत्र अवश्य लाएँ। छात्राएँ छुट्टी लेने पर अपने घर जायेंगी व छुट्टी से वापिस आने पर सीधा छात्रावास में ही आयेंगी। आते ही रिकॉर्ड बुक भरकर ऑफिस में रखेंगी।**

नोटः– छात्रावास में अगर कोई छात्रा, छात्रावास छोड़कर जाती है या अलग हो जाती है तो दूसरी छात्रा को अन्य छात्रा के साथ रहना होगा। अन्यथा उस छात्रा को सिंगल रूम का शुल्क देना होगा।

5. **भोजन शुल्क 12 महीनों का देय होगा। मैस से 1 महीने से अधिक अनुपस्थित रहने पर छूट पर विचार किया जा सकता है, परन्तु यह छूट सीमा 2 महीने से अधिक नहीं होगी।**

6. **छात्राएँ अपने कमरों, मैस व छात्रावास को बिल्कुल साफ व स्वच्छ रखेंगी।**

7. जो भी छात्रा ग्रीष्मकाल में छात्रावास का कूलर या अपना कूलर का उपयोग करेंगी तो छात्रा को प्रतिमाह 200/– रूपये देना होगा, यदि कूलर खराब होता है तो छात्रा को स्वयं ठीक कराना होगा।
8. स्थानीय अभिभावक के यहाँ छात्रा केवल बीमारी की अवस्था में या विशेष परिस्थिति में माता–पिता की अनुमति होने पर जा सकती है। स्थानीय अभिभावक माता–पिता द्वारा अनुमोदित किए जायेंगे।
9. छात्रा को छात्रावास में रहते हुए कोचिंग की अनुमति है। यह अनुमति ग्रीष्मकाल में सायं सात बजे तक तथा शीतकाल में सायं 6 बजे तक है। एक से अधिक विषय की कोचिंग की अलग–अलग अनुमति लेनी होगी। कोचिंग के समय बाहर जाने व वहाँ के क्रियाकलाप के लिए अभिभावक पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे।
10. यदि कोई छात्रा रूग्णावस्था के कारण घर भेजी जाती है तो स्वस्थ होने पर डॉक्टर का स्वस्थता का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा।।
11. खेल, एन०सी०सी०, एन०एस०एस० या अन्य किसी क्रिया में भाग लेने के लिए मेरठ से बाहर जाने की दशा में अभिभावक के अनुमति पत्र के साथ ही अनुमति मिलेगी।
12. पुरानी छात्राएँ कॉलिज में नवीनीकरण के बाद एक सप्ताह के अन्दर छात्रावास में भी प्रवेश ले लें।
13. सत्र के अंत में छात्राओं से 1000/– रू० की धनराशि अग्रिम सत्र के प्रवेश का सुनिश्चित रखने के लिए ली जाती है।

    यह धनराशि जनवरी माह में अवश्य जमा करा दें अन्यथा अगले सत्र में प्रवेश सम्भव नहीं हो पायेगा।
14. छात्रावास में किसी विशेष परिस्थिति में छात्रा की महिला अभिभावक जैसे (माँ, भाभी, बहन) जिसकी फोटो लगी हो या पुरातन छात्रा के रूकने पर 300/– प्रतिदिन शुल्क देय होगा। शाम छः बजे के बाद किसी भी परिस्थिति में उनका प्रवेश वर्जित है।
15. जिलाधिकारी के आदेशानुसार अगर अवकाश घोषित होता है तो छात्रावास बन्द कर दिया जायेगा। छात्राओं को दशहरा, दिवाली, होली छात्रावास में रहने की अनुमति नहीं है।
16. छात्राएँ परीक्षा समाप्त होने पर छात्रावास कार्यालय से अदेय प्रमाणित कराकर ही सामान ले जा सकेंगी।
17. घर जाते समय छात्रायें अपने कमरे की लाइट व पंखा खुला न छोड़े।
18. छात्राएँ कॉलिज में यूनिफॉर्म व आई कार्ड के साथ आएं तथा कॉलिज परिसर में मोबाइल न लेकर जायें।
19. शैक्षणिक सत्र की अन्तिम परीक्षा समाप्ति के पश्चात् किसी परीक्षा आदि के लिए छात्रावास में रहने की व्यवस्था की पूर्व अनुमति आवश्यक है।
20. छात्रावास की प्रत्येक छात्रा की एक रिकॉर्ड बुक होती है, जिसमें स्थानीय तथा स्टेशन से बाहर जाने का विवरण होता है। छात्रावास से बाहर जाने के लिए विवरण पुस्तिका में अधीक्षिका की लिखित अनुमति आवश्यक है तथा निर्धारित रजिस्टर में हस्ताक्षर आवश्यक है। छात्रावास में वापसी पर रजिस्टर में पुनः हस्ताक्षर करना अनिवार्य है। किसी छात्रा के पास मोबाइल है तो उसके अनुचित प्रयोग पर अभिभावक की जिम्मेदारी होगी।
21. महाविद्यालय की शोध छात्राओं व गेस्ट फैकल्टी के रहने की व्यवस्था है, किन्तु उनसे अन्य छात्राओं के समान ही शुल्क लिया जायेगा।
22. यदि छात्राएँ नियम–विरूद्ध छात्रावास में बिना किसी को सूचित किये छात्रावास से बाहर जाती हैं और बाहर कोई दुर्घटना हो जाती है तो समस्त उत्तरदायित्व छात्रा व उसके अभिभावक का होगा।

23. छात्रावास में एक कमरे में दो छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। प्रत्येक छात्रा को एक मेज, एक कुर्सी व एक अलमारी दी जाती है। प्रत्येक कमरे में पंखे लगे हुए हैं।
24. छात्रावास में सिंगल सीटेड कमरे की भी व्यवस्था है। इसके लिए 12,000/- रू० की धनराशि अलग से ली जाती है।
25. पूर्ण फीस जमा किए बिना छात्रावास में प्रवेश नहीं मिलेगा। छात्रावास में प्रवेश लेने के पश्चात यदि किसी कारणवश छात्रा, छात्रावास छोड़ती है तो ऐसी स्थिति में सुरक्षित धनराशि के अतिरिक्त कोई शुल्क वापस नहीं किया जायेगा।
26. प्रवेश के समय छात्रा, अधीक्षिका को सूचित किये बिना अपना सामान कमरे में न रखें व ताला न डालें।

छात्रावास की मुख्य सुविधायें

यह छात्रावास आधुनिकतम सुविधाओं से परिपूर्ण है, जिसमें कुछ सुविधायें निम्न हैं–

1. छात्रावास में विद्या की देवी- 'माँ सरस्वती' एवं 'शिव परिवार' का मंदिर है, जहाँ छात्राएँ पूजा-अर्चना करती हैं।
2. छात्राओं को सर्दी की ऋतु में गर्म पानी के लिए सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम की व्यवस्था है जिसमें छात्रायें गर्म पानी प्राप्त कर सकती हैं।
3. गर्मी की ऋतु में छात्राओं को पीने के लिए ठंडे पानी के लिए वाटरकूलर की व्यवस्था है।
4. छात्रावास में छात्राओं को पानी पीने के लिए R.O. व एक्वागार्ड की सुविधा है।
5. छात्राओं के लिए जिम व योगा हाल की सुविधा उपलब्ध है।
6. छात्राओं को कपड़े धोने के लिए वाशिंग मशीन की सुविधा है।
7. छात्रावास में छात्राओं के लिए सैनेट्री नैपकिन वैन्डिंग मशीन व सैनेट्री नैपकिन डिस्पोजल मशीन की सुविधा उपलब्ध है।
8. छात्रावास में भूतल पर छात्राओं के अध्ययन के लिए एक अध्ययन कक्ष एवं एक कम्प्यूटर लैब उपलब्ध है।
9. छात्रावास में जनरेटर की सुविधा सायं 6 बजे से रात्रि तक उपलब्ध होगी।
10. ओवर हैड टैंक लगे होने के कारण 24 घंटे पानी की सुविधा है।
11. छात्राओं को पौष्टिक व सन्तुलित भोजन हेतु स्वच्छ भोजनालय है।
12. छात्रावास में सुरक्षा की दृष्टि से 24 घंटे सिक्योरिटी गार्ड्स की व्यवस्था है।
13. छात्रावास में छात्राओं के लिए चाय बनाने व दूध गर्म करने के लिए तीनों मंजिलों पर गैस की सुविधा है। इन सुविधाओं के लिए समय निर्धारित है। सुबह 6 से 10 बजे, शाम 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक।
14. छात्रावास में अभिभावक के लिए विजिटिंग रूम व महिला अभिभावकों के लिए गेस्टरूम की व्यवस्था है।
15. छात्रावास में छात्राओं के लिए वाईफाई की सुविधा उपलब्ध है।

छात्रावास के मुख्य आकर्षण

1. छात्राओं की मांग के अनुसार हिन्दी व अंग्रेजी के दैनिक समाचार पत्र व पत्रिकाओं की व्यवस्था की जाती है।
2. छात्रावास में इण्डोर गेम की व्यवस्था है एवं जिम की सुविधा शुल्क सहित उपलब्ध है।
3. छात्रावास की अपनी छात्रावास परिषद है, जिसके द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक व शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है तथा प्रत्येक त्यौहार को धूम-धाम से मनाया जाता है व छात्राओं को त्यौहारों के अनुरूप भोजन दिया जाता है।
4. छात्रावास परिषद की अलग-अलग समितियाँ हैं जो छात्रावास के अलग-अलग कार्यों के संचालन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग करती हैं।
5. कॉलिज में छात्रावास की छात्राओं की प्राथमिक चिकित्सा हेतु डिसपैन्सरी उपलब्ध है। समय प्रातः 11 से दोपहर 2 बजे तक।
6. छात्रावास परिसर में औषधीय पौधों की एक वाटिका प्लांट कंजर्वेशन स्थापित है। जिसके माध्यम से छात्रावास की छात्राओं का परम्परागत औषधीय ज्ञान से परिचित कराया जाता है और प्राकृतिक जीवन शैली जीने के लिए प्रेरित किया जाता है।
7. राष्ट्रीय तथा अन्तर्विश्वविद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली 2 छात्राओं को मैरिट के आधार पर केवल कक्ष शुल्क में 25% छूट है।

अभिभावक कृपया ध्यान दें

छात्रावास सुविधा विद्यालय की निम्न छात्राओं के लिए उपलब्ध है–

1. रघुनाथ गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में अध्ययनरत सभी छात्राएँ।
2. आर० जी० इण्टर कॉलिज की छात्राएँ
3. अन्य महाविद्यालयों की शोध छात्राएँजिसके लिए वहाँ के प्राचार्या का पत्र व प्रवेश प्रमाणपत्र आवश्यक है।
4. ट्यूटर व कोचिंग करने वाली सभी छात्राओं के लिए छात्रावास के नियमों का पालन आवश्यक है।

इस विवरणिका में छात्रावास सम्बन्धी सूचनाएँ दी गई हैं अभिभावकों से अपेक्षा की जाती है कि छात्राओं के फार्म भरने से पूर्व निर्देशों व सूचनाओं को ध्यान से पढ़ लें।

निम्नलिखित का विशेष ध्यान रखें–

"*अभिभावक अपने वार्डन की प्रत्येक विषय की उपस्थिति की जानकारी अपने वार्डन से प्रतिमाह लेते रहें। उपस्थिति किसी भी विषय में 75 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। उपस्थिति का उत्तरदायित्व अभिभावक का भी होगा। इसके लिए यह आवश्यक है कि कक्षा आरम्भ होने से एक दिन पूर्व छात्राओं को छात्रावास में भेज दें।*"

अभिभावक स्वयं आकर छात्रा को वार्डन से छुट्टी का पत्र दिलवा कर बाहर ले जा सकते हैं। किसी विशेष परिस्थिति में यदि वह नहीं आ सकते तो–

(क) छात्रा को घर ले जाने के लिए व्यक्ति का नाम मनोनीत करें व अभिभावक के पत्र के बगैर छुट्टी नहीं मिलेगी।

अथवा

(ख) छात्रा को घर अकेले जाने की अनुमति दें। छुट्टी के बाद समय पर वापिस न आने पर अभिभावक का पत्र अवश्य लायें। पत्र पर अभिभावक के वही हस्ताक्षर हो जो Record Book पर हैं।

यदि किसी छात्रा को असामान्य बीमारी है तो इसकी सूचना अभिभावक छात्रावास कार्यालय में प्रवेश के दौरान अवश्य दें।

अभिभावकों से अनुरोध है कि छात्रावास के नियमों का पालन करने में हमारी सहायता करें तथा दिए गए मिलने के समय का पालन करें।

छात्राएँ कृपया ध्यान दें

1. अपने कक्ष की सफाई का दायित्व छात्रा का है।
2. छात्रावास में कीमती आभूषण व अति धनराशि का रखना वर्जित है।
3. छात्रावास में मादक पदार्थ/द्रव्य का सेवन तथा रख-रखाव वर्जित है। यदि कोई छात्रा इन गतिविधियों में सम्मिलित पाई जाती है तो उसे छात्रावास खाली करना होगा।

   यदि किसी अन्य छात्रा को इन गतिविधियों की जानकारी हो तो अधीक्षिका/सहायक अधीक्षिका को सूचित करें या ई-मेल : rgpghostelgrievance974@gmail.com पर लिख सूचित करें।
4. छात्रावास की छात्राओं का विद्यालय गेट पर खड़े होकर कर्मचारी व गार्ड से अनावश्यक बात करना मना है।
5. महाविद्यालय की कक्षाओं के समय, छात्राओं के पास कोई भी कॉलिज की छात्राएँ कक्ष में मिलने नहीं आयेगी।
6. छात्रावास परिसर में 'रैगिंग' पूर्णतया प्रतिबन्धित है। रैगिंग करने वाली छात्राओं पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
7. छात्रावास में छात्रा के पास, हीटर, प्रेस व गर्म पानी की रोड आदि कोई भी बिजली का उपकरण नहीं होना चाहिए।
8. छात्रावास में छात्राओं को शाकाहारी भोजन ही उपलब्ध होगा।
9. छात्राएँ छात्रावास के किसी भी कर्मचारी से अभद्र व्यवहार नहीं करेंगी अन्यथा अनुशासनिक कार्यवाही की जायेगी।
10. कोई भी छात्रा किसी छात्रा को शारीरिक व मानसिक रूप से पीड़ित नहीं करेगी। एक बार चेतावनी देने के उपरान्त भी अगर कोई छात्रा ऐसा करती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी तथा छात्रा को निष्कासित भी किया जा सकता है।
11. छात्रावास के कमरों का निरीक्षण छात्रावास प्रशासन द्वारा किसी भी समय किया जा सकता है।
12. किसी विशेष परिस्थिति में भोजन की व्यवस्था न होने पर छात्राएँ परिस्थिति में समायोजन स्थापित करें।

छात्राओं से मिलने का समय इस प्रकार है– अभिभावक इसका विशेष ध्यान रखें।

महिला अभिभावक केवल दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक विशेष परिस्थिति में मिल सकती हैं। सायं 5 बजे के पश्चात् किसी को मिलने की अनुमति नहीं दी जायेगी। पुरूष अभिभावक रविवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक व दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक मिल सकते हैं। पुरूष अभिभावक का सायं 5 बजे के बाद कॉलिज प्रांगण में प्रवेश निषेध है। अभिभावक को गेट पर नियुक्त सुरक्षा कर्मी पर्ची देंगे व अधीक्षिका की अनुमति मिलने पर ही अन्दर आ पाएंगे। रविवार के अतिरिक्त किसी अन्य दिन पुरूष अभिभावक को मिलने की अनुमति नहीं है।

स्थानीय अभिभावकों को भी रविवार को ही उनके फोटो व हस्ताक्षर होने पर मिलने दिया जायेगा।

शुल्क विवरण

क्रम सं०	विवरण	धनराशि
1.	कार्यालय पंजीकरण	100
2.	रजिस्ट्रेशन शुल्क	350
3.	*सुरक्षित धन	500
4.	प्रवेश शुल्क	200
5.	कक्ष शुल्क	12000
6.	बिजली	9000
7.	जनरेटर	3800
8.	वाचनालय	125
9.	कम्प्यूटर	150
10.	चिकित्सा शुल्क	250
11.	छात्रावास परिचय-पत्र शुल्क	25
12.	भोजन शुल्क	30600
	योग	**57,100**
	कुकिंग गैस छात्रावास परिषद्	3000
	कुल योग	**60,100/–**

* छात्रावास छोड़ने के बाद सुरक्षित धन वापस किया जायेगा।

उपरोक्त प्रवेश शुल्क प्रवेश के समय जमा किया जायेगा। भोजन शुल्क प्रवेश के समय से ही लागू होगा। छात्रा को कम से कम 12 माह का प्रत्येक मद शुल्क जमा करना अनिवार्य है। 12 माह, 01 अगस्त से 31 जुलाई तक माना जायेगा। छात्रावास में सिंगल सीटेड रूम के लिए 12000/- प्रति सत्र अतिरिक्त कक्ष शुल्क देय होगा।

छात्राओं के प्रवेश के समय कुल देय धनराशि बैंक स्लिप के द्वारा जमा होगी।

नोट:– भोजन व्यय एवं अन्य शुल्क परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तित किया जा सकता है। अन्तिम वर्ष की सुरक्षित राशि की वापसी हेतु छात्रावास कार्यालय से फार्म प्राप्त कर उसे भरकर कार्यालय में जमा करा दें। छात्रावास छोड़ने के पश्चात् एक वर्ष के पश्चात् सुरक्षित धनराशि वापस नहीं दी जायेगी।

M. : 8979265125
9368400314

रघुनाथ गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलिज, मेरठ

छात्रावास में रहने के लिए छात्रायें अपने साथ निम्न सामान लायें–

- एक चादर व गद्दा बिस्तरा, बाल्टी, मग, फ्राइपैन, कटोरी, गिलास, चम्मच, प्लेट, L.E.D. बल्ब, झाड़ू, बर्तन साफ करने का साबुन, अपने कक्ष के लिए छोटा कूड़ेदान, दो ताले, ओरिजनल व फोटोस्टेट मार्कशाीट, कॉलिज की बैंक स्लिप, अपनी फोटो की 12 प्रतियाँ तथा सफेद सलवार–कुर्ता–दुपट्टा, जैकिट यूनिफॉर्म आदि लेकर आयें तथा अपने साथ कीमती आभूषण न लायें।

- अभिभावकगण छात्रावास में (दूरभाष : 8979265125, 9368400314) पर सम्पर्क कर सकते हैं।

- सम्पर्क समय : प्रातः 10:00 से दोपहर 3:00 बजे तक।

नोटः– 1. छात्रायें रिकार्ड बुक के लिए पुरूष व महिला अभिभावक की एवं अपनी फोटो अवश्य लायें।

2. प्रवेश के समय छात्रायें मेडिकल सर्टिफिकेट जिसमें हिमोग्लोबिन व ब्लड–ग्रुप लिखा हो अवश्य लायें।

छात्रावास की प्रतिष्ठा और स्तर छात्राओं के आचरण और व्यवहार पर निर्भर है। आपस में मैत्री सम्बन्ध बनाये रखने तथा विद्यालय और छात्रावास के नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपेक्षा की जाती है।

मुख्य अधीक्षिका

Raghunath Girls' Post Graduate College, Meerut
Girls' Hostel

Date : ....

Admission Application Form

Latest Photograph

1. Name of Student : ....
2. E-mail : .... Ph. No. :................................
3. Registration No. of College : ....
4. Father's Name Address and Mob. No. : ....
   ....
   ....
5. Local Guardian Name, Address, Mob. No. : ....
   ....
6. Student relation with local guardian : ....
   ....
7. Name of Previous college : ....
8. Exam result of previous Academic session (please mention class, division & percentage):
   ....
9. Mention class for which application form is submitted : ....
10. Mention Name of the hostel where the student was an inmate, if any (Include the certificate issued by principal):
    ....
11. Please mention if the candidate is a sports person of repute. * : ....
12. If Student is Scheduled Caste/Scheduled Tribe/OBC* :
13. If Student is handicap/Any Medical History * : ....
14. Any other special qualification : ....
15. If the candidate is an old hostel inmate, furnish details :
    Room No. .... Duration .... To ....

Father/Guardian's Signature

Local Guardian's Sign

Student's Signature

Mobile No. ....

Asst. Warden's Signature

Warden's Signature

Raghunath Girls' Post Graduate College, Meerut
Girls' Hostel

Registration Slip

Date : ....

1. Name of Student : ....

2. Father's or Guardian's Name, Mobile No. & Address : ....
....
....
....

Latest Photograph

3. Local Guardian Name, Mobile No. & Address : ....
....
....
....

4. Class for Admission : ....

5. Name of the Previous College : ....

Asst. Warden's Signature — Warden's Signature

Note for Guardians & Students :

1. Depositing of Registration fee (not refundable) shall not ensure admission to the Hostel.
2. Merit is the only consideration
3. हमने छात्रावास के नियमों को ध्यान से पढ़ लिया है। हमें सभी नियम मान्य हैं। हम उन्हें मानने के लिए वचनबद्ध हैं।

(Signature of Father/Guardian) — (Signature of Student)

Mobile No. ....

Note : Kindly bring your original marksheets as well as photostate marksheets along with this registration form.

EXPERIENTIAL LEARNING

Suraj Kund Mela Trip

GLIMPSE OF HOSTEL LIFE

MOMENTS OF HOSTEL LIFE

SNAPSHOT OF HOSTEL FACILITIES

HOSTEL : OUR GOLDEN PLACE

Media's Eye

आरजी कालेज की टापर रही हैं झारखंड की मुख्य सचिव अलका

1981 से 1985 तक मेरठ में पढ़ीं, 1988 में पहले प्रयास में बनीं आइएएस

जागरण संवाददाता, मेरठ : झारखंड की नवनियुक्त मुख्य सचिव अलका तिवारी जब सर्वोच्च प्रशासनिक पद ग्रहण कर रही थीं तो उन्हें मेरठ में अपनी पढ़ाई का दौर याद आ गया। मेरठ से उन्हें शुभकामनाएं भी मिलीं। वह 1981 से 1985 तक आरजी कालेज में छात्रा रही हैं। मेधावी छात्रा रहीं अलका ने स्नातक एवं मनोविज्ञान में परास्नातक के दौरान दोनों में स्वर्ण पदक जीता था। बाद में चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान में पीएचडी ज्वाइन किया, लेकिन मन भारतीय प्रशासनिक सेवा में [illegible]।

झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी •

वह 1988 में मुजफ्फरनगर रहने के दौरान पहले ही प्रयास में आइएएस बन गईं। अलका तिवारी बताती हैं कि उनके पिता प्रभु नाथ [illegible] मेरठ में टेलीकम्युनिकेशन में अधिकारी थे। मूलत: बनारस की रहने वाली अलका चार भाई बहनों में से इकलौती आइएएस हैं, जबकि ससुराल पक्ष में उनके पति डा. देवेंद्र तिवारी झारखंड में मुख्य सचिव पद से रिटायर होने के बाद अब राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। बड़े देवर राजेंद्र तिवारी उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव भी रहे हैं। जबकि दूसरे देवर पंजाब कैडर के आइएएस हैं। अलका बताती हैं कि वो पांच साल पहले मेरठ आई थीं जब उन्होंने सदर बाजार, आबूलेन व औघड़नाथ मंदिर एवं आरजी कालेज का परिसर घूमा था। बताती हैं कि मेरठ हमेशा बहुत पाजिटिव वातावरण का शहर रहा है। अलका तिवारी के पुत्र दिव्यांशु यूएसए में मल्टीनेशनल कंपनी में बड़े पद हैं, जबकि पुत्री शिविका सुप्रीम कोर्ट में वकील हैं।

प्रो. कुमकुम पारीक •

आरजी में मनोविज्ञान विभाग की प्रो. कुमकुम पारीक बताती हैं कि अलका तिवारी उनसे एक साल सीनियर थीं, और पढ़ने से बहुत कुशल थीं। उन्होंने हमेशा जूनियरों को प्रोत्साहित किया।

छात्राओं की पहली पसंद है मेरठ का आरजी कॉलेज

16 विषयों में स्नातकोत्तर कॉलेज और 200 छात्राओं के लिए हॉस्टल में रहने की सुविधा

संवाद न्यूज एजेंसी

मिशन एडमिशन

खेलों में भी नाम कमा रहीं छात्राएं

सीटों की संख्या

बीएससी (जूलॉजी, बॉटनी, केमिस्ट्री)	180
बीएससी (फूड साइंस, क्वालिटी कंट्रोल)	60
बीकॉम	120
एमकॉम	60
एमए पॉलिटिकल साइंस	60
एमए साइकोलॉजी	20
एमए हिंदी	60
एमए अर्थशास्त्र	60
एमए इंग्लिश	60
एमए संस्कृत	60
एमए म्यूजिक	20
एमए ड्राइंग पेंटिंग	20
एमए हिस्ट्री	60
एमए सोशियोलॉजी	60
एमए जियोग्राफी	30
एमए होमसाइंस	30
एमएससी केमिस्ट्री	30
एमए बॉटनी	30
बीएड	100
बीलिब	60
बीए	720

नई सोच...नए इरादों के साथ आगे बढ़ रहीं बेटियां

join telegram @myccsu

नए प्रयोग के साथ कुछ ने शुरू किया स्वरोजगार तो कुछ सपने पूरा करने की तैयारी में जुटीं

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस आज

संवाद न्यूज एजेंसी

मेरठ। बदलते दौर में नई सोच और नए इरादों के साथ बेटियां आगे बढ़ रही हैं। वे रसोई के कचरे से खाद बना रही हैं। मछलियों के पोषण सहित जैसे अन्य काम कर रही हैं।

कुछ बेटियां अपने सपनों को पूरा करने के प्रयास में जुटी हैं। आज अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस है। यह दिवस बालिकाओं को सशक्त बनाने और जागरूक करने के लिए ही है। इस दिन बदली सोच के साथ आगे बढ़ने का प्रयास कर रही कुछ बेटियों से बात की तो उन्होंने अपने अनुभव साझा किए।

रसोई के कचरे से बना रहीं जैविक खाद

पूजा

खुशी

मछलियों के लिए बना रही संतुलित आहार

सोना अंसारी

नए डिजाइन वाले परिधान तैयार करने का सपना

भारती

प्रियांशी बनीं मिस फेयरवेल

- आरजी पीजी कालेज के छात्रावास में हुआ विदाई समारोह
- विभिन्न प्रतियोगिताओं की विजेता छात्राओं को किया सम्मानित

मूल्य : 150/- मात्र

Surya Printing Press, M. 7310707167